

27/5/24

पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी दिग्गज कार्यों में व्यस्त है, मिसल इत्यादि होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 31/5/24 को पेश हो।

31/5/24

पत्रावली पेश हुई। वकील ठाही उपस्थित। प्रतिवादीगण के सम्मत पुनः पंजा करने का न्यायदिवस में अंतिम अवसर दिया जाकर पत्रावली आईन्दा दिनांक 26/6/24 को पेश हो।

26/06/24

पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी दिग्गज कार्यों में व्यस्त है, मिसल इत्यादि होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 29/8/24 को पेश हो।

29/8/24

पत्रावली पेश हुई। वादीगण वकील अनुपस्थित। वादीगण स्वयं अनुपस्थित। वादीगण वकील व वादीगण को न्यायालय समय में कठ-रुठ कर तीन बार अवाज लगाई गई न तो वादीगण स्वयं उपस्थित हुए और न ही वादीगण वकील उपस्थित हुए। अतः पत्रावली अहम हजारी अहम फेरवी में खारीज की जाती है। पत्रावली फंसल शुमार होकर दाखिल हफतर हो संख्या से एक कम हो।

पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी दिग्गज कार्यों में व्यस्त है, मिसल इत्यादि होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 29/8/24 को पेश हो।